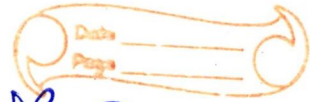


B.A sem-1



प्रीतिनात्मक तर्कशास्त्र क्या है ?

तर्कशास्त्र का सम्बन्ध युक्तियों से है।

युक्तियों के घटक (components)

तर्कवाक्य या कथन होता है।

सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर घूमता है (1)
मंगल एक ग्रह है (2)

अतः मंगल सूर्य के चारों ओर घूमता है - (3)

यह एक युक्ति का उदाहरण है। इस युक्ति

के घटक (1), (2) और (3) तर्कवाक्य हैं

इस तर्कवाक्य में (1) और (2) आधार

वाक्य तथा निष्कर्ष वर्णनात्मक वाक्य हैं

और (3) उनका निष्कर्ष। अब आप इन

वाक्यों के अर्थ को पढ़ें। पर किसी भी

तर्कवाक्य को व्यवस्त करने का माध्यम भाषा

ही है। किसी भाषा में व्यवस्त किसी तर्कवाक्य

का प्रसंगानुसार ठीक-ठीक अर्थ लगा

लेना पड़ता होता है क्योंकि किसी भी शब्द

के अनेक अर्थ होते हैं। किसी वाक्य की

बनावट के कारण कभी कथनों, मुद्दों

के, प्रश्नों के कारण, कभी शब्दों की

संख्या अनेकान्यता के कारण जो

अर्थ होना चाहिए वह अर्थ भी लग

पाता है। भाषा की दुर्गति को सुध

करना तर्कशास्त्र का लक्ष्य नहीं है

पर जब तक भाषा शुद्ध नहीं हो जाती
तब तक व्युत्पत्तियों की वैधता या अवैधता
की समस्या का समाधान नहीं हो
सकता है। भाषा की इस कठिनाई से
बचने के लिए बहुत से विज्ञानों से अपूर्व
तकनीकी शब्द कोष को विकसित किया है
रसायनशास्त्र में भौतिक विज्ञान में, जब
अभिरुचि में अपने प्रयोगों का प्रयोग
होता है। उसी प्रकार भाषा की दुरुहता से
बचने के लिए त्रिशक्ति में तर्कवाक्यों या
उनके सम्बन्धों के लिए प्रयोगों का प्रयोग
होता है।

फिर, एक कठिनाई और उपरि-वर्त होती है
विज्ञानों में दत्त सामग्रियाँ उनके अनेक
होती हैं। उन्हें भाषा में विस्तारपूर्वक अंकित
करने में समय और स्थान दोनों की
बहुत अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है।